समझौता | एकेडमिक और रिसर्च क्षेत्र में मिलकर करेंगे काम, छात्रों को होगा फायदा

बिजनेस पर बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के साथ रिसर्च करेगा आईआईएम रायपुर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. आईआईएम रायपुर और बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी ने एक समझौता किया है जो एकेडमिक और रिसर्च के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा। दोनों संस्थानों के बीच हुए इस समझौता ज्ञापन पर आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो. राम कुमार काकानी और बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर और एक्जीक्यूटिव डीन प्रो. एलीन मैकऑलिफ ने हस्ताक्षर किए।

आईआईएम रायपुर में सहायक प्रोफेसर मृणाल चावड़ा ने कहा, हम इस पहल में बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग करके बहुत उत्साहित हैं। यह साझेदारी न केवल हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ाएगी, बल्कि ज्ञान और नए विचारों के वैश्विक आदान-प्रदान में भी योगदान देगी, जो हमारे समय की जटिल चुनौतियों का समाधान करने के लिए जरूरी भी है।

रायपुर आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. रामकुमार ककानी और बीसीयू के प्रो वाइस चांसलर व अन्य।

आईआईएम को यह लाभ होगा

एक्सचेंज प्रोग्राम: दोनों संस्थानों के बीच छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे।

जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट: दोनों संस्थान जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करेंगे जो ग्लोबल चैलेंजेस के सॉलुशन तलाशने में मदद करेंगे।

फॉरेन स्टडी: दोनों संस्थान अपने छात्रों को विदेश में अध्ययन के अवसर प्रदान करेंगे।

व्याख्यान, सेमिनार और सम्मेलन: दोनों संस्थान साझेदारी में व्याख्यान, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करेंगे।

संयुक्त पाठ्यक्रम विकास: दोनों संस्थान संयुक्त पाठ्यक्रम विकसित करेंगे जो शैक्षिक पेशकश को समृद्ध बनाएंगे।

छात्रों को मिलेंगे महत्वपूर्ण अवसर

दोनों संस्थानों के बीच यह सहयोग हमारी जीवंत और उभरती विरासत के आधार पर आगे बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी के साथ, हम अपने छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अनेक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रहे हैं, साथ ही अपनी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ा रहे हैं, और एक ऐसे भविष्य का मार्ग आसान कर रहे हैं, जिसमें इनोवेशन और नए अवसरों के लिए भरपूर गुंजाइश है।

-प्रो. रामकुमार काकानी, डायरेक्टर आईआईएम नवा रायपुर

वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा

यह साझेदारी शिक्षा जगत में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के हमारे मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआईएम रायपुर के साथ मिलकर काम करते हुए हमारा लक्ष्य शोध, शिक्षण और छात्र जुड़ाव के लिए नए अवसर पैदा करना है। ये ऐसे अवसर होंगे, जिनसे हमारे संस्थानों और व्यापक शैक्षणिक समुदाय दोनों को लाभ होगा।

-शिशांक, एसोसिएट प्रोफेसर बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी

Patrika, 22 August, 2024, P.02